संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

एवं

भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी

संस्कृत के बहुआयामी पक्ष एवं बृहत्तर विश्व

(Multi Dimensional Aspects of Sanskrit & Larger World)

१५-१७ फरवरी, २०१९

उद्घाटन सत्र: प्रातः १०:०० बजे		१५ फरवरी २०१९, शुक्रवार	स्थान : डॉ. एम्.ए. अन्सारी सभागृह, जामिया
मुख्य अतिथि	:	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली	
विशिष्ट अतिथि	:	श्री अतुल कोठारी , राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली	
सारस्वत अतिथि	:	प्रो. एस.आर. भट्ट, अध्यक्ष, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली	
अध्यक्षता	:	प्रो. शाहिद् अशरफ, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
सान्निध्य	:	श्री ए. पी. सिद्दीकी (आईपीएस), कुलसचिव, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
		प्रो. वहाजुद्दीन अल्वी, सङ्कायाध्यक्ष, मानविकी एवं भाषा सङ्काय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
बीज-वक्तव्य	:	प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, पूर्व-निदेशक, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, भारत सरकार, नई दिल्ली	
सङ्गोष्ठी निदेशक	:	प्रो. गिरीश चन्द्र पन्त, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
संयोजन		डॉ. अभय कुमार शाण्डिल्य	

जलपान	**११:३०-११:४५**

प्रथम शैक्षणिक सत्र १२:०० -०१:३०, १५ फरवरी २०१९, शुक्रवार		संस्कृत और प्रबन्धन	स्थान : डॉ. एम्.ए. अन्सारी सभागृह
अध्यक्ष	:	प्रो. विनयशील गौतम, संस्थापक निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आई. आई. एम), कोझिकोड	
विशिष्ट-अतिथि	:	प्रो. बनारसी त्रिपाठी, पूर्व-अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर **विषय : वैदिक ज्ञान प्रबन्धन**	
विशिष्ट-वक्ता	:	प्रो. देवेन्द्र मिश्र, पूर्व-अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली **विषय : प्राचीन संस्कृत-ग्रन्थों में प्रबन्धन के सूत्र**	
विशिष्ट-वक्ता	:	प्रो. रवीन्द्र कुमार, अध्यक्ष, वाणिज्य एवं व्यापार अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली **विषय : श्रीमद्भगवद्गीता में प्रबन्धन**	
संयोजन	:	डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी	

भोजनावकाश दोपहर १:३० -२:३०

(१५ फरवरी २०१९, शुक्रवार)		
०२:३०-०४:००	**द्वितीय शैक्षणिक सत्र, स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और सङ्गणकीय भाषाविज्ञान** ❖ प्रो. कपिल कपूर, अध्यक्ष, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला (सत्राध्यक्ष) ❖ डॉ. सुभाष चन्द्र, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (विषय : Computational Analysis of Panian Ashtadhyayi) ❖ सन्दर्भित शोधपत्र वाचन : ०४ ❖ **संयोजन : डॉ. जय प्रकाश नारायण**	**तृतीय शैक्षणिक सत्र ,स्थान : कक्ष: ११२, विषय : भारतीय दर्शन-११पत्र** **अध्यक्षता : डॉ. हरेश अरुण भाई जोशी, विशिष्ट अतिथि : प्रो . महानन्द झा** **संयोजन : डॉ. अञ्जु सेठ** अमर जी झा: भारतीय दार्शनिक चिन्तन धारा में भर्तृहरि का योगदान अनुप्रिया दास: ज्ञान सिद्धान्त अपर्णा चौधरी , काशी हिन्दू वि.वि. प्राभाकर: मीमांसा में ज्ञान का स्वरूप अपूर्वा भारद्वाज, न्यायनये प्रत्यक्षप्रमाणान्तर्गते प्रत्यासत्तिनिरूपणम् आशीष मौद्गिल, काशी हिन्दू वि.वि. योगोपनिषत्सु वर्णितानां मुद्राणां विवेचनम् आशुतोष कुमार, साहित्यशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अन्तःसम्बध (शब्दशक्ति के सन्दर्भ में) ध्रुव कुमार उपाध्याय, पातंजलयोग एवं श्रीअरविन्द योग में साधना पद्धति अर्पित कुमार दुबे, मो. दे. रा. यो. सं.दिल्ली श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग का स्वरूप मीनाक्षी जोशी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया दक्षिणामूर्ति शिव का अष्टमूर्तिस्वरूप तथा दक्षिणामूर्ति शिव का शंकराचार्यस्वरूप का भाव साम्य गजानन धरेन्द्र, अनल्विधौ इति निषेधांशसमीक्षणम् हरीश बहुगुणा, भारतीयदर्शन में स्वामी विवेकानन्द का सामाजिक और आर्थिक दर्शन ज्योतिकला द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द सं.वि.,वाराणसी भारतीयदर्शनपरम्परा का विस्तार
जलपान -०४:००		
(१५ फरवरी २०१९, शुक्रवार)		
०४:१५ - ०५:४५	**चतुर्थ शैक्षणिक सत्र , स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और दर्शन (भारतीय और पश्चिमी)** ❖ प्रो. हीरामन तिवारी, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. हरेराम त्रिपाठी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली (विषय : **प्रमाणों की लोकोपयोगिता**) ❖ प्रो. मो. शरीफ, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ❖ प्रो. सरोज कौशल, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान (विषय: **भारतीय दार्शनिकों की शोधपरम्परा**) ❖ प्रो. मनोज मिश्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ❖ प्रो. हरेश अरुण भाई जोशी, भावनगर, गुजरात ❖ **संयोजन : डॉ. मीनाक्षी जोशी**	**पञ्चम शैक्षणिक सत्र , स्थान : कक्ष: ११२** **विषय : दर्शन-१० पत्र** **अध्यक्षता : डॉ. शिवशङ्कर मिश्र संयोजन : डॉ. सुषमा चौधरी** ज्योत्सना, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्या पीठ विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं में कर्म सिद्धान्त निरूपण मीना, गोकुलदास हिन्दू गर्ल्स कालेज, मुरादाबाद महर्षि पतञ्जलि द्वारा प्रदत्त अष्टाङ्गयोग का वर्तमान समय में प्रासङ्गिकता/उपादेयता रिपुदमन चन्द्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा योगदर्शन का नैतिक एवं सामाजिक पक्ष तथा योग का परम लक्ष्य सहदेव आर्य, ज.ने.वि. श्रीमद्भगवद्गीता में योग सिद्धान्त श्याम सुन्दर शर्मा, सं.वि.,दि.वि.दिल्ली शाब्दबोधे आकाङ्क्षास्वरूप विचारः सुनीता सारस्वत, शिक्षा सङ्काय, आई. ए.एस.ई. गाँधी विद्यामन्दिर, सरदार शहर, चुरु, राजस्थान बदलते मूल्य एवं भारतीय दर्शन ठाकुर शिवलोचन शाण्डिल्य :प्रामाण्यवादविषयक सांख्य व न्याय सिद्धान्तों की समीक्षा गोविन्द शर्मा :न्यायदर्शनाभिमतप्रमाणसमालोचनम् अनिल कुमार आर्य: मीमांसा तथा न्याय-वैशेषिक में धर्म का स्वरूप बलराम आर्य:शान्तरस की दार्शनिक पृष्ठभूमि प्रज्ञा;आख्यात-शक्ति न्याय एवं व्याकरण के परिप्रेक्ष्य में' शिप्रा:वैयाकरणानां मते शब्दस्वरूपम्
१६ फरवरी २०१९ (शनिवार)		

१०:००- ११:३०	**षष्ट शैक्षणिक सत्र स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और दर्शन (भारतीय और पश्चिमी)** ❖ प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. रामनाथ झा, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (विषय : **वैदिक दर्शन और विज्ञान**) ❖ डॉ. पङ्कज मिश्र, सेण्ट स्टीफन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिल्ली (विषय : **विवाद एवं प्रतिवाद का वाद चार्वाक**) ❖ डॉ. सुबासिनी बारीक, दर्शन-विभाग, देशबन्धु महाविद्यालय , नई दिल्ली (विषय : The Mahavakya: A Philosophical Analysis) ❖ डॉ. सुशिम दुबे, कार्यक्रम एवं हिन्दी अधिकारी, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली (विषय : **स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबन्धन में योगदर्शन का वैशिष्ट्य**) **संयोजन : डॉ. सङ्गीता शर्मा**	**सप्तम शैक्षणिक सत्र , स्थान : कक्ष: ११२** **वैदिक ज्ञान परम्परा** ❖ प्रो. शारदा शर्मा, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. बनारसी त्रिपाठी, पूर्व-अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर (विषय : **वैदिक वाङ्मय में देवत्व की अवधारणा**) ❖ प्रो. खालिद बिन यूसुफ खान, संस्कृत विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ❖ प्रो. वीरेन्द्र कुमार अलङ्कार, संस्कृत विभाग, पञ्जाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ **संयोजन : डॉ. मीनाक्षी जोशी**
जलपान -११:३० से ११:४५		
१२:००- ०१:३०	**अष्टम शैक्षणिक सत्र स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और भारतीय रङ्गमञ्च** ❖ प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, पूर्व-कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. कौशलेन्द्र पाण्डेय, संस्कृत विद्या धर्म-विज्ञान सङ्काय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ❖ डॉ. सुमन झा, श्री लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली (विषय :**संस्कृत रूपकों एवं उप-रूपकों की वर्तमान रङ्गमञ्चीय परिदृश्य : नाट्यशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में**) **संयोजन : वीणापाणि त्रिपाठी**	**नवम शैक्षणिक सत्र , स्थान : कक्ष: ११२** **विषय : संस्कृत एवं वैदिक ज्ञान परम्परा ०६ पत्र , संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति ०६ पत्र** **अध्यक्षता :प्रो. शशि तिवारी विशिष्ट अतिथि : प्रो. एस. पी. शर्मा संयोजन : डॉ. रञ्जीत बेहरा** भारद्वाज बर्गाए : वैदिक संकृति में सामाजिक व्यवस्था गीता कोरानी ,सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर :ऋग्वेदीय 'पुरुरवा–उर्वशी संवाद सूक्त : वर्तमान सामाजिक सन्दर्भित हर्षा कुमारी, माता सुन्दरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय : वेदों में देवत्व की अवधारणा इन्दू डेमोलिया :ऋषिका गोधा का स्वरूप: ऋग्वेद के विशेष सन्दर्भ में शगुफ्ता: अथर्ववेद के परिप्रेक्ष्य में देवत्व की अवधारणा वाहिद नसरु, मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्री नगर: वैदिक ज्ञान परम्परा– रिसाल–ए– हकनुमा और वेदान्त दर्शन में ब्रह्माण्ड विज्ञान दार्शनिक सन्दर्भ में अनामिका त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ;वाल्मीकिरामायणे लोकोपयोगिनी शिक्षा अनुभा पाण्डेय, संस्कृत विभाग लखनऊ वि.वि.:संस्कृत साहित्य में शक्ति तत्त्व विमर्ष (मारकण्डेय पुराण के सन्दर्भ में) दीपलता, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समरहिल, शिमला: सामाजिक परिप्रेक्ष्य में रामायणोक्त उपदेश अनीता सेन गुप्ता, ईश्वरशरण पी. जी. कालेज, प्रयागराज: वैमानिक विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में विमान चालन के रहस्य प्रीति कमल, रामगढ महाविद्यालय, रामगढ: संस्कृत स्थित बौद्धिक सहिष्णुता की सुदीर्घपरम्परा का बृहत्तर विश्व में सम्भावित योगदान हंशराज जोशी, : संस्कृत ग्रन्थान्तर्गत श्रीमद्भागवत महापुराणस्थ मानवाधिकार एवं मानवीय जीवनमूल्यों की परिकल्पना(संस्कृत, समाज तथा संस्कृति)
भोजनावकाश दोपहर १:३० -२:३०		

०२:३०- ०४:००	**दशम शैक्षणिक सत्र स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत समाज और संस्कृति** ❖ प्रो. प्रमोद कुमार, कुलसचिव, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली(सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, राजनीतिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ❖ प्रो. सुधीर प्रताप सिंह, भारतीय भाषा केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ❖ प्रो. हिमांशु शेखर आचार्य , संस्कृत विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ **विषय: भारत की सामासिक संस्कृति** ❖ डॉ. रञ्जीत कुमार मिश्र, संस्कृत विभाग, हंसराज महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिल्ली **संयोजन : डॉ. अभय कुमार शाण्डिल्य**	**एकादश शैक्षणिक सत्र , स्थान : कक्ष: ११२** **आधुनिक संस्कृत साहित्य** ❖ प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी(सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. के. सी. त्रिपाठी, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली आधुनिक संस्कृत साहित्य की स्वरूप चर्चा ❖ प्रो. भागीरथि नन्द, साहित्य-विभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ❖ डॉ. रञ्जन कुमार त्रिपाठी, संस्कृत विभाग **संयोजन : डॉ. अजय झा**
द्वादश शैक्षणिक सत्र स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग		**१६ फरवरी २०१९, शनिवार**
०४:१५- ०६:००	प्रो राधावल्लभ त्रिपाठी (अध्यक्ष), प्रो. भागीरथि नन्द, डॉ. जीत राम भट्ट, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, डॉ. परमानन्द झा, प्रो. के. सी. त्रिपाठी, डॉ.भारतेन्दु पाण्डेय, भागीरथि नन्द, **संयोजन :डॉ. बलराम शुक्ल**	
१७ फरवरी २०१९, रविवार		
१०:००- ११:३०	**त्रयोदश शैक्षणिक सत्र स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और मीडिया** ❖ प्रो. बिश्वजीत दास, निदेशक, संस्कृति-मीडिया एवं प्रशासन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली(सत्राध्यक्ष) ❖ प्रो. हीरामन तिवारी, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ❖ डॉ. बलदेवानन्द सागर, संस्कृत समाचार वाचक, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन-प्रसार भारती, नई दिल्ली **(स्कृतपत्रकारितायाःसंक्षिप्तमितिवृत्तम्, संचारमाध्यमेषु संस्कृतम्)** ❖ डॉ. सुनील कुमार तिवारी, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिल्ली ❖ श्री सुनील जोशी, प्रसार भारती ❖ शोधपत्र वाचन **संयोजन : डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी**	**चतुर्दश शैक्षणिक सत्र ,स्थान : कक्ष: ११२** **संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति १० पत्र** **अध्यक्षता : डॉ.कान्ता भाटिया संयोजन : डॉ. सङ्गीता शर्मा** ➢ इशरत सुल्ताना, संस्कृत विभाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड :रामायण, महाभारत, अर्थशास्त्र एवं स्मृतियों आदि में सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक प्रबन्धन ➢ जहाँ आरा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया: महाभारत के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक समस्याओं का निदान ➢ कैलास चन्द्र मीणा: वर्तमान शिक्षा एवं नैतिक मूल्य ➢ ललित कुमार जुनेजा: वर्तमान युग में आयुर्वेद शास्त्र की उपयोगिता ➢ एम. मनोज सिंह, व्याकरण विभाग, ला.ब.शा.रा.सं.वि.: शब्दशास्त्रीय लोकाचाराणां सांस्कृतिकं महत्त्वम् ➢ नीतू दत्त नौटियाल, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, ज.ने.वि वि.वि. :अन्तर्राज्यीय राजनीति के सन्दर्भ में आचार्य कौटिल्य के विचार ➢ पङ्कज शर्मा: याज्ञवल्क्यस्मृति के अन्तर्गत प्रकीर्ण प्रकरण तथा ऋणादान प्रकरण पर विचार ➢ पवन चन्द्र, सं. एवं प्राच्य विद्या अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि.: महाकविभवभूतेः करुणरसस्य मनोवैज्ञानिकविश्लेषणम् (जेम्सलांजेकेननबर्डयोः सिद्धान्तमधिकृत्य) ➢ रामानन्द मिश्र, संस्कृत विभाग पञ्जाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ: संस्कृत ग्रन्थों में निहित धर्म की अवधारणा ➢ सुजाता घोष, संस्कृत विभाग, असम वि.वि.: नारदीयशिक्षायां सङ्गीतकलायाः स्थानम् – अध्ययनमेकम्	
१७ फरवरी २०१९, रविवार		

११:४५-०१:३०	**पञ्चदश शैक्षणिक सत्र , स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और विज्ञान** ❖ प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व नासा-वैज्ञानिक एवं प्रधानमन्त्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार**(सत्राध्यक्ष)** ❖ प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, श्री लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ❖ डॉ. दयाशङ्कर तिवारी, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान) **संयोजन : डॉ. अभय कुमार शाण्डिल्य**	**षोडश शैक्षणिक सत्र, स्थान : कक्ष: ११२** **आधुनिक संस्कृत साहित्य-०६ भारतीय रङ्गमञ्च-०४ पत्र** **अध्यक्षता : डॉ.जय प्रकाश नारायण संयोजन : डॉ. विजय गर्ग** अनु कुमारी : छत्रपतिसाम्राज्यम्' में समाज एवं संस्कृति अनुपम कुमारी: आधुनिक संस्कृत साहित्य के नाट्यों में नायिका की अवधारणा हेमलता रानी:शंकरदेव अवतरे की रचना सीतारामीयम् में नारी सीता रागिनी शुक्ला: प्रयाग की पाण्डित्य परम्परा में राजेन्द्रमिश्र का अवदान सुनीता मीरवाल: श्रीकान्ताचार्य विरचित 'युग निर्माताः स्वामी दयानन्द' महाकाव्य में राष्ट्रचिन्तन योगिता:आधुनिक संस्कृत साहित्य में शिक्षा का स्वरूप अभय प्रताप :आधुनिक रंगमंच कृष्ण कुमार: भारतीय नाट्यशास्त्रीयपरम्परा : नाट्यधर्मी एवं लोकधर्मी प्रवृत्तियाँ नम्रता पटेल:'3 Idiots'इत्यस्मिन् सद्यःकालीनचलच्चित्रे नाट्यशास्त्रीयतत्त्वानुप्रयोगः राजेशप्रसाद गैरोला :Application on hindi films of various elements mentioned in Natyashastra सङ्गीता गुन्देचा , रा.सं.सं.,भोपाल: संस्कृत नाट्यशास्त्र और भारतीय रङ्गमञ्च कावालम नारायण पणिकर के विशेष सन्दर्भ में
१७ फरवरी २०१९, रविवार		
०२:३०-०४:००	**सप्तदश शैक्षणिक सत्र, स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग** **संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाएँ** ❖ प्रो. वहाजुद्दीन अल्वी, सङ्कायाध्यक्ष, मानविकी एवं भाषा सङ्काय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली **(सत्राध्यक्ष)** ❖ प्रो. इराक रज़ा जैदी, पूर्व-अध्यक्ष, फ़ारसी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली (विषय : **फारसी और संस्कृत का अन्तःसम्बन्ध**) ❖ प्रो. हबीबुल्ला खान, अध्यक्ष, अरबी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली (विषय : Arabic Translation of Indian Works) ❖ प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी, अध्यक्ष, बौद्ध-धर्मदर्शन और पालि विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (विषय : पालि का भारतीय भाषाओं को योगदान) **संयोजन : डॉ. मीनाक्षी जोशी**	**अष्टादश शैक्षणिक सत्र, स्थान : कक्ष: ११२** **शोधपत्र: विज्ञान ०८,प्रबन्धन ०२,अन्य भारतीय भाषाएँ-०३** **अध्यक्षता : प्रो. शकुन्तला पुञ्जानी संयोजन : डॉ. मैत्रेयी कुमारी** अङ्कुश कुमार :संस्कृतसाहित्ये यन्त्रविज्ञानस्य समीक्षणम् भुवनेश भारद्वाज, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली: पुरातत्त्व, नृतत्त्वशास्त्र एवं आनुवांशिकता के वैदिक एवं पौराणिक स्रोत डॉ. राजीव कुमार मिश्र, मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वि. वि., लक्ष्मणगढ, सीकर, राजस्थान :आयुर्वेद शास्त्रोक्त दिनचर्या मीना, गोकुलदास हिन्दू गर्ल्स कालेज, मुरादाबाद : महर्षि पतञ्जलि द्वारा प्रदत्त अष्टाङ्गयोग का वर्तमान समय में प्रासङ्गिकता/उपादेयता राहुल कुमार झा :ज्योतिष के अनुसार मुहूर्त्त विचार रूपलाल शर्मा, संस्कृत–संवर्धन–प्रतिष्ठाम्, डोरीवालान, दिल्ली :पर्यावरणस्य वैदिकावधारणा संधारणीय विकासश्च सिम्मी : आधुनिक संस्कृत साहित्य में आधुनिकता विमर्श सुजाता यादव, सं.वि.ध.वि.सं. वाराणसी : संस्कृत वाङ्मय में निहित वैज्ञानिक उत्कर्ष आलोक कुमार झा: कौटिलीय अर्थशास्त्र में सामाजिक प्रबंधन तुलिका बंसल, मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, राजस्थान: Political Management and Strategies in Mahabharata कुल प्रसाद देवकोटा: संस्कृत एवं अन्य भाषाएँ एरुववे ग्रामे गुणसोम, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी:सिंहलभाषायां विद्यमान संस्कृतभाषाप्रयोगानि रजनीश शुक्ल : संस्कृत रूपकों के विकास में प्राकृतों का योगदान

जलपान

संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

एवं

भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी

संस्कृत के बहुआयामी पक्ष एवं बृहत्तर विश्व

(Multi Dimensional Aspects of Sanskrit & Larger World)

१५-१७ फरवरी, २०१९

समापन-सत्र: सायं ०४:१५ बजे		स्थान : सङ्गोष्ठी कक्ष, संकृत विभाग	१७ फरवरी २०१९, रविवार
मुख्य अतिथि	:	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	
अध्यक्ष	:	श्री ए. पी. सिद्दीकी (आई.पी.एस.), कुलसचिव, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
सारस्वत अतिथि	:	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् एवं भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली	
		डॉ. पङ्कज मित्तल, अतिरिक्त सचिव -१, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली	
स्वागत वक्तव्य एवं प्रतिवेदन		प्रो. गिरीश चन्द्र पन्त, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली	
धन्यवाद ज्ञापन		डॉ. अभय कुमार शाण्डिल्य, सङ्गोष्ठी-संयोजक	
संयोजन		डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी	

संयोजक	समन्वयक	संगोष्ठी निदेशक
डॉ. अभय कुमार शाण्डिल्य	डॉ. जयप्रकाश नारायण	प्रो.गिरीश चन्द्र पन्त
डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी		अध्यक्ष